



प्रमेणीनगर आयुक्त से मिले आयुक्त : पालामूर आयुक्त अंजली कुमार मिश्र से पलामूर उपायुक्त शशि रंजन ने की शिवायर बुलाकाता।

स्पीड न्यूज़

डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने पूर्व सीएम व नेता प्रतिष्ठक को दिया पौधा

मेदिनीनगर। राज्य के पूर्व सीएम व प्रतिष्ठक के नेता बाबूलाल मरांडी जी के रासी आगास पर पर्यावरणादी द्वी मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने मुलाकात कर उन्हें पलामूर आने का आमत्रण दिया। डॉ कौशल ने इस मुलाकात में पलामूर के तर्मान राजनीतिक सामाजिक और पर्यावरणीय हालातों पर भी चर्चा की। हालांकांतों को यादगार बाने के लिए पर्यावरण धर्म के प्रवाधानों के तहत पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को डॉ कौशल ने दालचीनी का पौधा भेट कर उनका सम्मान किया।

कोल्हुआ खुद में शिव मंदिर की ढालई

चैनपुर पलामूर। प्रखंड के पूर्वठाईं पाचायत में कोल्हुआ खुद में शिव मंदिर की ढालई हो गयी।

यह पांच वर्ष पूर्व से बन रहा था। इसमें पूर्वठाईं के पूर्व उपमुखिया नवनीत दूरे, सरेंद्र दूरे, विदेश दूरे, सुरेन्द्रनाथ दूरे, भरतल दूरे, शंभूनाथ दूरे, उपेंद्र दूरे, दिनश दूरे, मनोज दूरे, प्रवीण दूरे, संजय दूरे, मिथिलेश दूरे, पिंक दूरे, राजीव दूरे, रिशु। सत्तम सहित दर्जनों लोगों ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया है। करीब 40 घर के इस गांव में यह पहला शिव मंदिर होगा, जिससे खुशी का माहौल है।

विधायक की पहल पर लगा ट्रांसफार्मर

नीलांबर पिंतांबरपुर पलामूर। प्रखंड के ग्राम कुंदी में ट्रांसफार्मर जल गया था। पांकी विधायक डॉ कुशवाहा

शिवायपुण महाता के प्रयास से अविलंब बिजली विभाग के प्रदाधिकारी से बात कर ट्रांसफार्मर दिलवाया गया। इससे कुंदी के ग्रामीणों में खुशी है। मौके पर उपरिक्त संसेध वर्मा, अशोक साव, आलिम समेत कई लोग उपस्थित थे। ग्रामीणों ने पांकी विधायक को इस कार्य के लिए बधाई दी है।

गुरुबीर के अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

मेदिनीनगर। वरिष्ठ लायन इंडिजीट रिंग डिप्लोम ने लायंस कलब मेदिनीनगर जैसी अंतर्राष्ट्रीय सेवा संस्थान सेवा संस्थान के अध्यक्ष

बनने पर सरबराह गुरुबीर रिंग गोलू बाबू को द्वारा सारी शुभकामान दी गई। उन्होंने कहा कि आपकी नवी भूमिका में आपको सफलता और संख्या मिले, यही कामना है। आपके नेतृत्व में संस्थान की सेवाएं और भी प्रभावी और व्यापक हों, और आप समाज के लिए और शिक्षक बदलाव ला सकें। उन्होंने टीम के सदस्य संचिव प्रियंका साहा, अनंद कोषाक्षय रोहित जैन व सभी नवीराजित प्रदाधिकारी, बार्ड आफ डायरेक्टर के सदस्यों को शुभकामान दी है।

परीक्षा केंद्र पर मारपीट का वीडियो वायरल

हुसैनाबाद, पलामूर। सरस्वती विधायक मंदिर जपला नहर भोड़ शिव परीक्षा केंद्र (जैक 11वीं की परीक्षा) पर मंगलवार को परीक्षा देने आये छात्र के साथ मारपीट करने वार कार्य में उतारकर ले जाने की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। लालाकांत खबर मन्त्र इस वीडियो की पुष्टि नहीं कर रखा है। लोकिंग तेजी से वायरल इस वीडियो में साफ दिख रहा है कि परीक्षा देने आये विद्यार्थी को कुछ लोग खींच कर पीट रहे हैं। वहीं अन्य लोग मूर्कदर्शक बन हुए हैं।

थाराब घोटाले में दो-चार लोग ही शामिल हों, यह कर्तई संभव नहीं: अविनाश वर्मा

मेदिनीनगर। भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य अविनाश वर्मा ने राज्य सरकार के प्रमुख पद पर आरीन एवं आईएस अधिकारी विनाश वीबो तो राज्य सरकार की ओर राज्यांतरिक लोगों को द्वारा जायेगी। उन्होंने कहा कि 25 मई से 05 जून तक फाईलरिया रोग खोज अभियान का आयोजन किया गया है। इसे लेकर पाटन स्वास्थ्य टीम के लिए राज्यांतरिक करना चाहिए। एसे में राज्य सरकार की इस एजेंसी के कार्यों को प्रभावित करने की बात बालों और बालिकों के द्वारा की जायेगी।

फाईलरिया रोग खोज अभियान को लेकर स्वास्थ्य टीम की प्रतिनियुक्ति

पाटन पलामूर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन के प्रभारी विकासिता क्षेत्री द्वारा फाईलरिया रोग खोज अभियान के तहत स्वास्थ्य टीम की प्रतिनियुक्ति की गयी है। उन्होंने कहा कि 25 मई से 05 जून तक फाईलरिया रोग खोज अभियान का आयोजन किया गया है। इसे लेकर पाटन स्वास्थ्य केंद्र में भी कार्यक्रम चलाया जायेगा। इसमें एमटीएस उदय वीबोरी, एलटी बबल कुमार, विजय मेहता, एमपीडलू सचिव कुमार, चालक योगदान सिंह, किशनपुर व हिस्सा बराडी ग्राम से संबंधित बीटीटी, सहिया साथी शमिल हैं।

मेदिनीनगर तीरंदाज एकडमी की बैठक

मेदिनीनगर। प्रथम स्तरत्रैता संग्राम के महानायक

नीलांबर पीठाबर व राजा मेदिनीराय की विरासत बराने और पारंपरिक कला कौशल को पुनर्जीवित करने के लिए राजा मेदिनीराय तीरंदाज एकडमी की बैठक दाढ़ करेकेटा की अधिकारी तो हुई। इसमें कर्तई संभव पर सहमति दी गयी। एकडमी की कमेटी गढ़वाल की गयी। अविनाश देव मुख्य संरक्षक, संतोष कुमार कारोबर प्रशिक्षक सह संस्कर्क, बालकिशन उत्तर अध्यक्ष, सतीश कुमार महा संचिव, दाढ़ करेकेटा कोषाध्यक्ष, धर्मेंद्र चंद्रवंशी उपाध्यक्ष बनाये गये।

स्पेशल न्यूज़

डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने पूर्व सीएम व नेता प्रतिष्ठक को दिया पौधा

मेदिनीनगर। राज्य के पूर्व सीएम व प्रतिष्ठक के नेता बाबूलाल मरांडी जी के रासी आगास पर पर्यावरणादी द्वी मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने मुलाकात कर उन्हें पलामूर आने का आमत्रण दिया। डॉ कौशल ने इस मुलाकात में पलामूर के तर्मान राजनीतिक सामाजिक और पर्यावरणीय हालातों पर भी चर्चा की। हालांकांतों को यादगार बाने के लिए पर्यावरण धर्म के प्रवाधानों के तहत पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को डॉ कौशल ने दालचीनी का पौधा भेट कर उनका सम्मान किया।

कोल्हुआ खुद में शिव मंदिर की ढालई

चैनपुर पलामूर। प्रखंड के पूर्वठाईं पाचायत में कोल्हुआ खुद में शिव मंदिर की ढालई हो गयी।

यह पांच वर्ष पूर्व से बन रहा था। इसमें पूर्वठाईं के पूर्व उपमुखिया नवनीत दूरे, सरेंद्र दूरे, विदेश दूरे, सुरेन्द्रनाथ दूरे, भरतल दूरे, शंभूनाथ दूरे, उपेंद्र दूरे, दिनश दूरे, मनोज दूरे, प्रवीण दूरे, संजय दूरे, मिथिलेश दूरे, पिंक दूरे, राजीव दूरे, रिशु। सत्तम सहित दर्जनों लोगों ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया है। करीब 40 घर के इस गांव में यह पहला शिव मंदिर होगा, जिससे खुशी का माहौल है।

कोल्हुआ खुद में शिव मंदिर की ढालई

चैनपुर पलामूर। प्रखंड के पूर्वठाईं पाचायत में कोल्हुआ खुद में शिव मंदिर की ढालई हो गयी।

यह पांच वर्ष पूर्व से बन रहा था। इसमें पूर्वठाईं के पूर्व उपमुखिया नवनीत दूरे, सरेंद्र दूरे, विदेश दूरे, सुरेन्द्रनाथ दूरे, भरतल दूरे, शंभूनाथ दूरे, उपेंद्र दूरे, दिनश दूरे, मनोज दूरे, प्रवीण दूरे, संजय दूरे, मिथिलेश दूरे, पिंक दूरे, राजीव दूरे, रिशु। सत्तम सहित दर्जनों लोगों ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया है। करीब 40 घर के इस गांव में यह पहला शिव मंदिर होगा, जिससे खुशी का माहौल है।

कोल्हुआ खुद में शिव मंदिर की ढालई

चैनपुर पलामूर। प्रखंड के पूर्वठाईं पाचायत में कोल्हुआ खुद में शिव मंदिर की ढालई हो गयी।

यह पांच वर्ष पूर्व से बन रहा था। इसमें पूर्वठाईं के पूर्व उपमुखिया नवनीत दूरे, सरेंद्र दूरे, विदेश दूरे, सुरेन्द्रनाथ दूरे, भरतल दूरे, शंभूनाथ दूरे, उपेंद्र दूरे, दिनश दूरे, मनोज दूरे, प्रवीण दूरे, संजय दूरे, मिथिलेश दूरे, पिंक दूरे, राजीव दूरे, रिशु। सत्तम सहित दर्जनों लोगों ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया है। करीब 40 घर के इस गांव में यह पहला शिव मंदिर होगा, जिससे खुशी का माहौल है।

कोल्हुआ खुद में शिव मंदिर की ढालई

चैनपुर पलामूर। प्रखंड के पूर्वठाईं पाचायत में कोल्हुआ खुद में शिव मंदिर की ढालई हो गयी।

यह पांच वर्ष पूर्व से बन रहा था। इसमें पूर्वठाईं के पूर्व उपमुखिया नवनीत दूरे, सरेंद्र दूरे, विदेश दूरे, सुरेन्द्रनाथ दूरे, भरतल दूरे, शंभूनाथ दूरे, उपेंद्र दूरे, दिनश दूरे, मनोज दूरे, प्रवीण दूरे, संजय दूरे, मिथिलेश दूरे, पिंक दूरे, राजीव दूरे, रिशु। सत्तम सहित दर्जनों लोगों ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया है। करीब 40 घर के इस गांव में यह पहला शिव मंदिर होगा, जिससे खुशी का माहौल है।

कोल्हुआ खुद में शिव मंदिर की ढालई

वज्रपात से पीड़ित परिवारों के घर पहुंची डीएलएसए की टीम



पीड़ित परिवारों के साथ पीएलवी

खबर मन्त्र संवाददाता

गढवा। जिले के मेराल प्रखण्ड के लखेया और रेजो गांव में हाल में वज्रपात से हुई तीन लोगों की मौत के बाद, जिला प्रिविक संसाधकारी की टीम ने शुक्रवार को पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। यह दोरा प्रश्न जिला एवं सत्र न्यायाली सह अध्यक्ष निलन कुमार व सचिव निभा रंजन लकड़ा के निर्देश पर किया गया। टीम ने मृतक शंभू वैटा (ग्राम लखेया), धर्मेंद्र राम (ग्राम रेजो) और डॉ लालमोहन

सड़क निर्माण के दौरान पाइपलाइन कटने से उत्पन्न हो रही पेयजल संकट

गढवा। नगर परिषद क्षेत्र में शंखा से खजुरी तक बनाया जा रहे चौड़ीकरण सड़क के दौरान पेयजलापूर्ति पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त होने से पेयजलापूर्ति बाधित हो रही है। इसे लेकर नगर परिषद प्रवासन गंभीर है। नगर परिषद के कार्यालयलक पदाधिकारी सुधील कुमार ने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान बार-बार पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो रही है, जिससे शहरवासियों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। सड़क निर्माण कंपनी को पाइपलाइन के दौरान खिलाई है उसे बौगे सुनाना के नहाय। इसके लिए वे नगरपालिका एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से संपर्क स्थापित करें। ताकि पेयजलापूर्ति बाधित हुए बिना सड़क निर्माण का कार्य होता रहे।

झामुमो ने विधायक पर किया छह आरोपों से प्रहार, जारी किया रिपोर्ट कार्ड

खबर मन्त्र संवाददाता

गढवा। झामुमो नेताओं ने इन दिनों गढवा के भाजपा विधायक सलेम नाथ विधायी पर आरोपों का बौछार तेज कर दिया है। झामुमो नेता विधायक को क्षेत्र से गायब होने का आरोप लगा रखे हैं। वहीं उनके छह माह के कार्यालय के दौरान कोई भी विकास कार्य नहीं होने का फिरारा पीट रखे हैं। शुक्रवार को झामुमो नेताओं ने गढवा जिला मुख्यालय के रंगा मोड़ पर एक कार्यालय का आयोजन किया। जिसमें लगाये गए बैनर में विधायक सत्येन्द्र नाथ विधायी के विभिन्न पोतां की तस्वीर लगाया गई थी। जबकि उस बैनर पर निवेदक अथवा आयोजक का नाम अंकित नहीं होता रहे।

झामुमो का लापता विधायक खोजो कार्यक्रम



रिपोर्ट कार्ड जारी करते झामुमो नेता

था, लेकिन उस बैनर के सामने झामुमो के नेता जरूर बैठे हुए थे। झामुमो नेताओं ने राहगीरों के बीच एक पंपलेट का भी वितरण किया। पंपलेट की होडंग विधायक का छह महीने में छह क्षेत्र से गायब होने का अंकित था। उसके नीचे

घटना दुर्घटन के दौरान भी जनता से कोई मतलब नहीं रखने, लूट खसेट एवं कर्मीवन खारी में सहयोग के तहत दबाव बनाने सरीर पर आरोप अंकित हैं। इस मैक पर झामुमो केंद्रीय विधायक के सदस्य धीरज दुबे ने पंपलेट में अंकित तथ्यों में मौदिया के समक्ष रखा। मैक पर जिला अध्यक्ष शंभु राम, सचिव शरीफ अंसारी, केंद्रीय सदस्य जवाहर पासवान, तनवीर आलम, जिला कोषारायश्च चन्दन जायसवाल, फूजैल अहमद, दीपालाला कुमारी, राजा सिंह, रौशन पाठक, सुनील गोतम, मनोज तिवारी, सलोम जपर, रविंद्र तिवारी, अविनाश दुबे, कार्तिक पांडेय, फैजुल अंसारी आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

करंट से सहिया घायल, अस्थाताल ने गंती

भवनाथपुर। प्रखण्ड अंतर्गत मकरी पंचायत के बरेशीयोंले गांव की सहिया अमृता देवी करंट की चपेट में आकर घायल हो गई। घटना उत्तर हुई जब वह किसी कार्बवश समुदायिक अस्थाताल भवनाथपुर आने की तैयारी में कायाजात निकाल रही थी। इसी दौरान उनका हाथ अचानक एक कटे हुए विद्युत तार से छू गया, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और वे मैक पर ही घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें लेकर इलाज के लिए भवनाथपुर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ रंजन दास की देखेख रही में उनका इलाज चल रहा है।

करंट से सहिया घायल, अस्थाताल ने गंती

भवनाथपुर। प्रखण्ड अंतर्गत मकरी पंचायत के बरेशीयोंले गांव की सहिया अमृता देवी करंट की चपेट में आकर घायल हो गई। घटना उत्तर हुई जब वह किसी कार्बवश समुदायिक अस्थाताल भवनाथपुर आने की तैयारी में कायाजात निकाल रही थी। इसी दौरान उनका हाथ अचानक एक कटे हुए विद्युत तार से छू गया, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और वे मैक पर ही घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें लेकर इलाज के लिए भवनाथपुर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ रंजन दास की देखेख रही में उनका इलाज चल रहा है।

करंट से सहिया घायल, अस्थाताल ने गंती

भवनाथपुर। प्रखण्ड अंतर्गत मकरी पंचायत के बरेशीयोंले गांव की सहिया अमृता देवी करंट की चपेट में आकर घायल हो गई। घटना उत्तर हुई जब वह किसी कार्बवश समुदायिक अस्थाताल भवनाथपुर आने की तैयारी में कायाजात निकाल रही थी। इसी दौरान उनका हाथ अचानक एक कटे हुए विद्युत तार से छू गया, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और वे मैक पर ही घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें लेकर इलाज के लिए भवनाथपुर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ रंजन दास की देखेख रही में उनका इलाज चल रहा है।

करंट से सहिया घायल, अस्थाताल ने गंती

भवनाथपुर। प्रखण्ड अंतर्गत मकरी पंचायत के बरेशीयोंले गांव की सहिया अमृता देवी करंट की चपेट में आकर घायल हो गई। घटना उत्तर हुई जब वह किसी कार्बवश समुदायिक अस्थाताल भवनाथपुर आने की तैयारी में कायाजात निकाल रही थी। इसी दौरान उनका हाथ अचानक एक कटे हुए विद्युत तार से छू गया, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और वे मैक पर ही घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें लेकर इलाज के लिए भवनाथपुर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ रंजन दास की देखेख रही में उनका इलाज चल रहा है।

करंट से सहिया घायल, अस्थाताल ने गंती

भवनाथपुर। प्रखण्ड अंतर्गत मकरी पंचायत के बरेशीयोंले गांव की सहिया अमृता देवी करंट की चपेट में आकर घायल हो गई। घटना उत्तर हुई जब वह किसी कार्बवश समुदायिक अस्थाताल भवनाथपुर आने की तैयारी में कायाजात निकाल रही थी। इसी दौरान उनका हाथ अचानक एक कटे हुए विद्युत तार से छू गया, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और वे मैक पर ही घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें लेकर इलाज के लिए भवनाथपुर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ रंजन दास की देखेख रही में उनका इलाज चल रहा है।

करंट से सहिया घायल, अस्थाताल ने गंती

भवनाथपुर। प्रखण्ड अंतर्गत मकरी पंचायत के बरेशीयोंले गांव की सहिया अमृता देवी करंट की चपेट में आकर घायल हो गई। घटना उत्तर हुई जब वह किसी कार्बवश समुदायिक अस्थाताल भवनाथपुर आने की तैयारी में कायाजात निकाल रही थी। इसी दौरान उनका हाथ अचानक एक कटे हुए विद्युत तार से छू गया, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और वे मैक पर ही घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें लेकर इलाज के लिए भवनाथपुर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ रंजन दास की देखेख रही में उनका इलाज चल रहा है।

करंट से सहिया घायल, अस्थाताल ने गंती

भवनाथपुर। प्रखण्ड अंतर्गत मकरी पंचायत के बरेशीयोंले गांव की सहिया अमृता देवी करंट की चपेट में आकर घायल हो गई। घटना उत्तर हुई जब वह किसी कार्बवश समुदायिक अस्थाताल भवनाथपुर आने की तैयारी में कायाजात निकाल रही थी। इसी दौरान उनका हाथ अचानक एक कटे हुए विद्युत तार से छू गया, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और वे मैक पर ही घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें लेकर इलाज के लिए भवनाथपुर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ रंजन दास की देखेख रही में उनका इलाज चल रहा है।

करंट से सहिया घायल, अस्थाताल ने गंती

भवनाथपुर। प्रखण्ड अंतर्गत मकरी पंचायत के बरेशीयोंले गांव की सहिया अमृता देवी करंट की चपेट में आकर घायल हो गई। घटना उत्तर हुई जब वह किसी कार्बवश समुदायिक अस्थाताल भवनाथपुर आने की तैयारी में कायाजात निकाल रही थी। इसी दौरान उनका हाथ अचानक एक कटे हुए विद्युत तार से छू गया, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और वे मैक पर ही घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें लेकर इलाज के लिए भवनाथपुर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ रंजन दास की देखेख रही में उनका इलाज चल रहा है।

करंट से सहिया घायल, अस्थाताल ने गंती

भवनाथपुर। प्रखण्ड अंतर्गत मकरी पंचायत के बरेशीयोंले गांव की सहिया अमृता देवी करंट की चपेट में आकर घायल हो गई। घटना उत्तर हुई जब वह किसी कार्बवश समुदायिक अस्थाताल भवनाथपुर आने की तैयारी में कायाजात निकाल रही थी। इसी दौरान उनका हाथ अचानक एक कटे हुए विद्युत तार से छू गया, ज

चीन की करतूत

चीन नी सरकारी मीडिया भी कुप्रचार व भ्रामक समाचार फैलाने में पाक के साथ खड़ी नजर आ रही है। अब उसने अपनी नई करतूत अरण्याचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलकर उजागर की है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। लगातार तीसरे साल जीन ने भारतीय राज्य अरण्याचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदला है। चीन अरण्याचल को जानान के नाम से देखता है। वहीं इसे तिब्बत के रूप में होने का दावा करता है। भारत सरकार ने चीन के इन बेहुक दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। भारत सरकार ने फिर से दोहराया है कि अरण्याचल भारत का अधिन्दन और अविभाज्य हिस्सा था और हमेशा रहेगा। दूसरे, चिंता की बात यह है कि चीन ने यह करतूत ऐसे समय में ही जब पहलाम हमले और उसके जवाब में सफल ऑपरेशन सिंटूर के चले भारत-पाक के ऊपर भड़काऊ ढम है। भारतीय उपमहाद्वीप में हाल ही में हुई चीन का यह घटना पूर्वानुमान निश्चय है। जिससे पाता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मच्छों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। ऐसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सतर्क करती हैं कि चीन के दशान्तर व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति तीव्र शान्ति देता है। अन्यथा चीन पीठ पर बार करने से नहीं चूकता वाला है। इतना ही नहीं वह फिर से भौमिकलिक क्षेत्रों के नामों के मानवाने मानवाने के साथ आगे बढ़ रहा है। निश्चय है कि चीन ने एसा करने वाला इस करतूत के समय का है। जारी बात है कि चीनिंग ने एसा करने वाला चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पक्षितान के साथ एकजुटा दिखाने के लिये भी किया है।

अभियांत्रिकी

तिब्बत और शिंजियांग को लेकर चीन का झूठा दावा

जैव विविधता की रक्षा 22 मई के अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य प्रकृति और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना है। जैव विविधता का अर्थ है—जैव-जैवतुओं और पेड़-पौधों में विविधता, जो एक दूसरे पर निर्भार है। अधिनिकाता को अंधी दौड़ ने इस संतुलन को बिगड़ दिया है। हमें पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से जैव विविधता को बचाना होगा।

- राजेश कुमार जमशेदपुर

सतरकता जस्ती

जैन-1-2 वेरिएंट के खिलेर को लेकर जागरूक करता है। केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में इसके दौर्दोष से अधिक मामले मिले हैं। बुजुंगों में एटीबांडी की कमी इसका प्रमुख कारण है। सरकार को फले से चिकित्सा व सजगता के पुख्ता इंतजाम कर लेने चाहिए।

- अनिल कौशिक, रांची

भीतर छिपे दुश्मन

तकनीक के सहारे देशविरोधी गतिविधियां अब सलाह ही गई हैं। यूट्यूब की आड़ में एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- अमृतलाल रांची

जैसा कि अपने जानते हैं भारत ने पिछले आतंकवाद के विरुद्ध आपरेशन सिंटूर की शुरुआत की और उसने पहले दलाई लामा को बेनकाब करे। तिब्बत और शिंजियांग को लेकर उसका दावा उसी झूठ का हिस्सा है। लेकिन इतिहास को हमेशा छुतलाया नहीं जा सकता। दातावेज, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, स्वतंत्र शोध और स्वयं वहाँ के लोगों की पीड़ा चीख-चीख कर यह बता रही है कि चीन ने इतिहास को तोड़ा-मोड़ा है और अपनी साधारण्यादी नीति को न्यायेवित ठहराने के लिए ऐतिहासिक छल का सहारा लाया है।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी अब साथ आ गया है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय चीन के इस ऐतिहासिक झूठ को बेनकाब करे। तिब्बत और शिंजियांग के लोगों की पहचान, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा केवल निदा करके नहीं हो सकती। जरूरत है कि दो राजनीतिक और मानवीय हस्तक्षेप बनाएं। अन्यथा चीनिंग नियंत्रित हस्तक्षेप बनाने के लिए दूसरी राजनीतिक और साधारण्यादी नीति जो लोगों को बेनकाब करे। तिब्बत ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा के निर्वासित होने के बाद तिब्बती इतिहास में एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा से शुरू हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा से शुरू हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा से शुरू हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा से शुरू हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा से शुरू हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा से शुरू हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा से शुरू हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा से शुरू हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा से शुरू हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा से शुरू हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा से शुरू हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा 14वीं शताब्दी में गेडुन द्वारा से शुरू हुई, जिन्हें मरणोपरात पहले दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 17वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक, दलाई लामा ने एक विडियो स्थान रखते हैं। वे सदियों से न केवल अध्यात्मिक गुरु, बल्कि तिब्बत के लौकिक नेतृत्वकर्ता भी रहे हैं।

- दलाई लामा की परंपरा

